om 6 delhi 1 A B C_Page 1 and 2 16/06/2015 17:40 Page 12

राष्ट्र हित में अहम सहभागिता अदा कर सकते हैं युवा : रंजना

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। `स्वच्छ, स्वस्थ, स्वर्णिम भारत' विषयक सम्मेलन के दौरान मंचासीन हैं रंजना कुमार, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. चन्द्रिका, रजनीश कुमार व ब्र.कु. प्रभा,भरुच।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। युवाओं को अपनी बौद्धिक ऊर्जा का समुचित उपयोग करने के लिए उनकी योग्यताओं के अनुसार उचित मार्गदर्शन मिले तो वे राष्ट्र व समाज हित में अपनी अहम सहभागिता अदा कर सकते हैं। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा `स्वच्छ, स्वस्थ, स्वर्णिम भारत' विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय पूर्व सतर्कता आयुक्त रंजना कुमार ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन ने युवाओं में जो आत्म जागृति जगाने का बीड़ा उठाया है, उसकी बदौलत समाज का एक बड़ा वर्ग अध्यात्म के प्रति आकर्षित हुआ है।

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि श्रेष्ठ चरित्र ही युवा शक्ति की पहचान है। स्वयं को श्रेष्ठ बनाकर युवा हर दिल पर शासन कर सकता है। कुशल नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए राजयोग को जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।

दिल्ली राजघाट सचिव रजनीश कुमार ने चिंता प्रकट करते हुए कहा कि अध्यात्म और उचित मार्गदर्शन के अभाव में युवा शक्ति का एक बड़ा वर्ग पश्चिमी भौतिकवादी संस्कृति के प्रभाव के कारण दिग्भ्रमित हो रहा है।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. चन्द्रिका ने कहा कि देश की वर्तमान युवा पीढ़ी के सामने विकट चुनौतियों के विरुद्ध संघर्ष की शक्ति आध्यात्मिकता से प्राप्त की जा सकती है।

त्रिदिवसीय सम्मेलन के दौरान युवाओं के लिए टॉक शो का भी आयोजन किया गया।

युवा अपनी चेतना को समुचित रूप से जागृत करें

युवाओं के लिए आयोजित टॉक शो में भारतीय वायु सेना के कर्नल हर्ष चांडक ने कहा कि युवा अपनी चेतना को समुचित रूप से जागृत कर लें तो राष्ट्र उत्थान में कोई देरी नहीं लगेगी। चरित्र रूपी सम्पत्ति से धनवान युवा ही देश को नई राह पर ले जाने में सक्षम हैं।

ब्र.कु. अनुसूइया,दिल्ली ने कहा कि युवाओं में कुशल नेतृत्व की क्षमता की विलक्षण संभावनाएं होती हैं, लेकिन उस क्षमता को सही मार्ग पर उपयोग में लाने के लिए अध्यात्म अचूक औषधि है।

प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना तेजस्विनी मनोंगना ने कहा कि भारत के युवाओं के लिए प्रेरणादायक आदर्शों की कमी नहीं है, केवल उन आदर्शों का अनुसरण करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

ब्र.कु. कृति ने कहा कि लोकहित में तत्पर रहने वाले त्यागी व तपस्वी युवा ही देश के सच्चे सेवक हैं। जितेन्द्र जावाले ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए आत्मिक ऊर्जा की ज़रूरत है।

इस दौरान राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. रीटा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इससे पूर्व तेलंगाना हैदराबाद से आईं तेजस्विनी ने भरत नाट्यम नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।

शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी ज़रूरी

रायपुर-छ.ग.। समर कैम्प प्रेरणा के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए मानसिंह परमार, ब्र.कु.कमला व अन्य।

रायपुर-छ.ग.। आज की शिक्षा प्रणाली में यदि नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा का समावेश हो तो बच्चों के अंदर हर परिस्थिति से लड़ने की क्षमता का विकास होगा। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित समर कैम्प प्रेरणा के उद्घाटन अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति मानसिंह परमार ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सत्य बोलना, दूसरों का सम्मान करना और अनुशासन का पालन करना सीखें। इन गुणों का लाभ हर क्षेत्र में मिलता है। उन्होंने आशा प्रकट करते हुए कहा कि यह समर कैम्प बच्चों के व्यक्तित्व का निर्माण करने में अहम् भूमिका निभाएगा और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करेगा। ब्रह्माकुमारी संस्था के इस प्रयास को उन्होंने सराहा।

ब्र.कु. कमला ने कहा कि हरेक माता-पिता की इच्छा है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले परन्तु आज की शिक्षा प्रणाली में चारीत्रिक व नैतिक शिक्षा का अभाव प्रतीत होता है। जिसके परिणामस्वरूप बच्चों का नैतिक उत्थान नहीं हो पाता है और उनका व्यक्तित्व अधूरा रह जाता है। उन्होंने आगे कहा कि मनोविज्ञान यह कहता है कि बच्चों में संस्कार परिवर्तन 15 वर्ष की उम्र तक ही हो सकता है। बाद में संस्कार बदलना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए ब्रह्माकुमारी संस्थान ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस अवसर पर ब्र.कु. दीक्षा ने कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट किया और हर वर्ष ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए दृढ़ता प्रकट की।

टीम-भावना बनाये रखने के लिए राजयोग ज़रूरी

ज्ञानसरोवर-मा.आबू। खेल प्रभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. डॉ. निर्मला, ब्र.कु. डॉ. बसवराजऋषि, ब्र.कु. शशि तथा अन्य।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। खेल जगत की गरिमा बनाए रखने, देश के सम्मान, खेल की पवित्रता व प्रतियोगिताओं की गुणवत्ता सुधार कर सफलता के लिए खिलाड़ियों को समर्पण भाव से दृढ़ संकल्पित होना चाहिए। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के खेल प्रभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर साई खेल प्राधिकरण सहायक निदेशक अमरज्योति सिंह ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि खेलों में अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों का आपसी सामंजस्य सद्भावपूर्ण होना चाहिए। इसमें राजयोग का समावेश सार्थक साबित होगा।

ज्ञानसरोवर निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि खिलाड़ियों को चुनौती भरी परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने व सही निर्णय लेने की कला में निखार लाने के लिए निश्चित तौर पर सहज राजयोग का प्रशिक्षण लेना चाहिए।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की डिप्युटी डायरेक्टर पूर्णिमा काटकर ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में जहां शारीरिक बलिष्ठता अनिवार्य है वहीं मानसिक एकाग्रता को कायम रखने के लिए मेडिटेशन संजीवनी बूटी की तरह कार्य करने के -शेष पेज ..11 पर

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th June 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।